मूल्य 1 रु.

वर्षः 10 - अंक : 113, मुंबई, गुरुवार, 9 जुलाई, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

कानपुर शूटआउट में बड़ा खुलासा

फरीदाबाद में पकड़े गए साथी ने बताया- 8 पुलिसवालों की हत्या के बाद दो दिन तक कानपुर में दोस्त के घर ठहरा था विकास दुबे

विकास दुबे के नोएडा फिल्म सिटी के न्यूज चैनल में समपर्पण की खबरें

कानपुर। कानपुर के बिकरू गांव में दो जुलाई की रात हुए शूटआउट के दो दिन बाद तक मोस्ट वांटेड विकास दुबे शिवली में ही था। हरियाणा के फरीदाबाद में गिरफ्तार तीन आरोपियों में से एक प्रभात ने पूछताछ में यह खुलासा किया। प्रभात ने बताया कि शूटआउट के दो दिन बाद तक विकास और वह घटनास्थल से करीब तीन किमी दूर शिवली में ही थे। (शेष पृष्ठ 3 पर)

फरीदाबाद पुलिस ने मंगलवार रात कार्तिकेय उर्फ प्रभात, अंकुर और श्रवण को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया

ऐसे पकड़े गए फरीदाबाद में आरोपी

फरीदाबाद पुलिस के मुताबिक, विकास दुबे के कुछ सहयोगियों के न्यू इंदिरा नगर कॉम्प्लेक्स में छिपे होने की सूचना मिली थी। इस पर एसीपी क्राइम अनिल यादव की टीम ने तीन और टीमों के साथ मिलकर एक घर पर छापा मारा। यहां से बिकरू के कार्तिकेय उर्फ प्रभात, फरीदाबाद के अंकुर और श्रवण को गिरफ्तार किया गया। प्रभात को अंकुर और उसके पिता श्रवण ने अपने घर में पनाह दी थी।

नोएडाः फिल्म सिटी में पुलिस मुस्तैदः विकास दुबे के नोएडा के किसी निजी न्यूज चैनल के स्टूडियो में आने की खबर के बाद सेक्टर 16 फिल्म सिटी में आने और जाने वाले सभी रास्तों पर पुलिस तैनात है। हर आने जाने वाली गाड़ी की चेकिंग की जा रही है। स्टूडियो में लाइव टीवी पर सरेंडर के ड्रामे को नोएडा पुलिस रोकना चाहती है।

नहीं रहे शोले के सूरमा भोपाली

अभिनेता जगदीप का 81 की उम्र में निधन

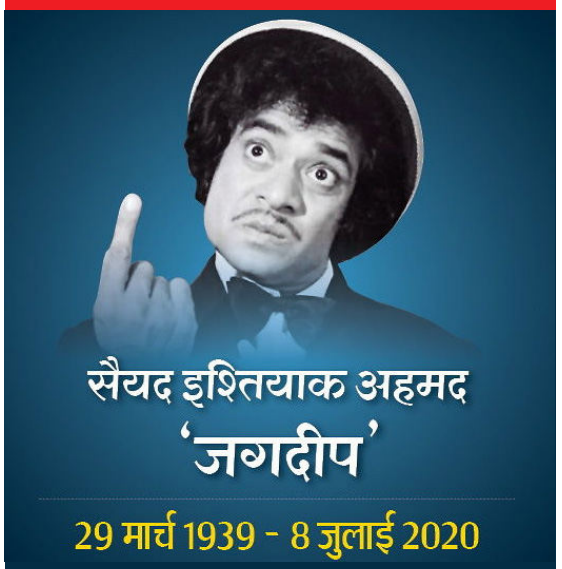

सैयद इश्तियाक अहमद 'जगदीप'

29 मार्च 1939 - 8 जुलाई 2020

संवाददाता

मुंबई। कॉमेडी एक्टर जगदीप का बुधवार को मुंबई में निधन हो गया। वे 81 वर्ष के थे। जगदीप का असली नाम सैयद इश्तियाक अहमद जाफरी था। वे एक्टर जावेद और नावेद जाफरी के पिता थे। जगदीप के दोस्त प्रोड्यूसर महमूद अली ने बताया कि बांद्रा स्थित घर में रात करीब 8.30 बजे उनकी मौत हो गई। वह बुढापे के चलते हुई बीमारियों से लंबे समय से परेशान चल रहे थे। जगदीप को गुरुवार सुबह 11 बजे मुंबई के मुस्तफा बाजार मझगांव शिया कब्रिस्तान सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। (शेष पृष्ठ 3 पर)

टीवी एक्टर सुशील गौड़ा ने किया SUICIDE

संवाददाता

नई दिल्ली। टीवी एक्टर सुशील गौड़ा ने कर्नाटक के मंडया में सुसाइड कर लिया है। सुशील पिछले कुछ वक्त से अपने होमटाउन में ही रह रहे थे जहां उन्होंने अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। उनके निधन से टीवी इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है। सुशील की मौत का कारण अभी सामने नहीं आया है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

अमेरिका में विदेशी छात्र

कोरोना महामारी ने अमेरिकी समाज और उसके शासन से जुडे. कई मिथकों को ध्वस्त किया है। अमेरिका की केंद्रीय आव्रजन संस्था 'इमिग्रेशन ऐंड कस्टम्स एनफोर्समेंट' (आईसीई) का ताजा फैसला इसका नया उदाहरण है। आईसीई ने सोमवार को फरमान सुनाया कि अमेरिका में पढ़ रहे उन तमाम विदेशी छात्रों को देश छोड़ना पड़ेगा, जिनकी यूनिवर्सिटी ने आगामी सेमेस्टरों में ऑनलाइन पढ़ाई की व्यवस्था मुकम्मल कर ली है। यदि इसके बावजूद कोई छात्र अमेरिका में टिका रहा, तो उसे जबरन बाहर किया जाएगा। जाहिर है, इस फैसले का असर लाखों विदेशी विद्यार्थियों पर पडेगा। खासकर भारत और चीन के छात्र इससे सर्वाधिक प्रभावित होंगे, क्योंकि सबसे ज्यादा इन्हीं दोनों देशों के विद्यार्थियों की तादाद है। यही नहीं, उन हजारों विद्यार्थियों के आगे भी फिलहाल अनिश्चितता की स्थिति पैदा हो गई है, जो सितंबर से नए अकादमिक-सत्र में भाग लेने के लिए अमेरिका पहुंचने वाले थे। इसमें कोई दोराय नहीं कि इस महामारी से निपटने में प्रशासनिक कमियों को लेकर अमेरिकी समाज में अंदरखाने काफी उबाल है। जल्द ही वहां राष्ट्रपति चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में, ट्रंप प्रशासन अमेरिकी अवाम को अब यह दिखाना चाहता है कि उसे सिर्फ उनका ख्याल है। महामारी के बाद वह वीजा नियमों में कई बदलाव कर चुका है। मगर हकीकत यह है कि दुनिया में सबसे अधिक जान-माल का नुकसान उठाने के बावजूद अमेरिकी सत्ता प्रतिष्ठानों में कोरोना से निपटने को लेकर अब भी समन्वय की भारी कमी है। रिपब्लिकन और डेमोक्रेट महामारी के सवाल पर आज भी अलग-अलग नजरिया रखते हैं। चिकित्सा विशेषज्ञ लगातार आगाह कर रहे हैं कि अमेरिका की स्थिति बेहद गंभीर है, और यह महामारी के बीचोबीच खड़ा है, पर राष्ट्रपति ट्रंप के बेहद करीबी लोग ही संक्रमण से बचाव के मान्य उपायों का मजाक उड़ाते फिर रहे हैं। वे मास्क पहनने की अनिवार्यता की भी खिल्ली उड़ाने से बाज नहीं आ रहे, जबकि ठोस नजीर सामने हैं कि जापान, दक्षिण कोरिया जैसे देशों ने कैसे मास्क और फिजिकल डिस्टेंसिंग के जरिए इस घातक वायरस के प्रसार को काबू करने में सफलता पाई है। मगर सच्ची कोशिश और प्रतीकात्मक लड़ाई अमेरिकी समाज के दोहरेपन को अक्सर दुनिया के सामने ले आती रही है। कोरोना महामारी ने एक बार फिर इसे उजागर कर दिया है। ठीक है, हर सरकार अपने नागरिकों के हितों का ख्याल सबसे ऊपर रखती है, पर उसका यह भी फर्ज है कि अपनी भौगोलिक सीमा में दूसरे देशों के बाशिंदों के मानव अधिकारों की भी वह रक्षा करे। वैसे भी, ये विद्यार्थी शरणार्थी नहीं हैं, जिन्हें अमूमन हर देश एक बोझ समझता है। ये वे विद्यार्थी हैं, जिनसे अमेरिकी विश्वविद्यालयों ने मोटी फीस वसूली है। एक ऐसे वक्त में, जब अंतरराष्ट्रीय सरहदें बंद हैं, तमाम उड़ानें रद्द हैं, ट्रंप प्रशासन को इन विदेशी छात्रों को उनके मुल्क तक सुरक्षित पहुंचाने की व्यवस्था करनी चाहिए। अमेरिकी अर्थव्यवस्था में उच्च शिक्षा उद्योग का अच्छा-खासा योगदान है। उसे सालाना करीब 37 अरब डॉलर की कमाई इससे हो रही है। मुश्किल समय के ऐसे आचरण भावी विद्यार्थियों को उससे विमुख भी कर सकते हैं। बहरहाल, इस नई स्थिति में देशों और सरकारों के लिए भी एक सबक है, अपने यहां ज्यादा से ज्यादा विश्व-स्तरीय संस्थान खड़े कीजिए।

चुनौती को अवसर में बदले भारत

भागी वर्तमान महामारी से पैदा हुई तमाम आर्थिक समस्याओं और हाल में चीन सीमा पर भारतीय सेना के जवानों के साथ हुई हिंसक झडप में हमारे बीस सैनिकों के शहीद होने के बाद से समूचे देश में चीन के प्रति आक्रोश पनप रहा है। इस संकट ने देश को आत्मनिर्भर बनने की रणनीति अपनाने पर जोर दिया है। आज देश भर में जनता चीन के सामानों का विरोध करने के लिए मुखर हो गई है और वह चाहती है कि यदि उसे चीन निर्मित वस्तुओं का स्थानापन्न उपलब्ध कराया जाए तो वह चीन की वस्तुओं का इस्तेमाल नहीं करेंगे। उल्लेखनीय है कि आजादी के बाद हमारे देश में विकास के लिए मिश्रित अर्थव्यवस्था का मॉडल अपनाया गया, जिसमें व्याप्त लाइसेंस राज, नौकरशाही, लालफीताशाही और भ्रष्टाचार ने देश की अर्थव्यवस्था को धीरे-धीरे खोखला कर दिया। पिछली सदी के आखिरी दशक के शुरूआती दौर में वैश्वीकरण की प्रक्रिया अपनाई गई, परिणामस्वरूप विकास के नए दरवाजे जरूर खुले, लेकिन इसका दुष्परिणाम यह हुआ कि कई क्षेत्रों में भारत विदेशी उत्पादों पर आश्रित होता चला गया।

वर्ष 2000 के बाद चीन ने वैश्वीकरण की प्रक्रिया का सबसे ज्यादा फायदा उठाकर दुनिया के बाजारों को अपने सस्ते माल से पाट दिया। भारत भी चीन के सस्ते सामानों से अछूता नहीं रहा और वह चीन के लिए एक बडा बाजार बन गया। वर्ष 2004 से 2014 में यूपीए सरकार के दौर में भारत में भी चीनी निवेश में काफी वृद्धि हुई। चीन ने सुनियोजित तरीके से इस्तेमाल की गई रणनीति अपनाकर धीरे-धीरे टायर, खिलौना, पटाखे, त्यौहार के सजावटी और तमाम अन्य उत्पादों से भारतीय बाजारों पर भी वर्ष 2000 के पश्चात कब्जा करने की कोशिश शुरू कर दी और इसमें वह काफी हद तक सफल भी हुआ। इससे भारतीय शिल्प बाजार को सर्वाधिक नुकसान हुआ, जहां छोटे-छोटे घरेलू उत्पाद बनाए जाते थे। चीनी उत्पादों के सस्ते होने के कारण भारतीय शिल्प बाजार में वस्तुओं का निर्माण धीरे-धीरे बंद होने लगा। इसी प्रकार देश के तमाम लघु उद्योग-धंधे भी धीरे-धीरे बंद होने लगे और भारतीय बाजार चीन का डंपिंग यार्ड बन गया। घरेलू उत्पादों से आगे बढ़कर यह सिलसिला तकनीक आधारित सेवाओं, दूरसंचार, बैंकिंग और फार्मा जैसे क्षेत्रों में भी पहुंच गया। आखिरकार वर्ष 2014 में नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद केंद्र सरकार ने मेक इन इंडिया के माध्यम से आत्मनिर्भर होने की दशा में एक निर्णायक पहल की। स्वदेशी और आत्मनिर्भरता की राह पर ले जाने की प्रधानमंत्री ने जो दिशा दिखाई, उसको लेकर न केवल व्यापारी, उद्योगपति, बल्कि जनता के स्तर पर भी काफी उत्साहजनक प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। इस बीच कोविड महामारी को लेकर वैश्विक स्तर पर दुनिया भर के देशों का चीन से भरोसा उठने लगा है। अनेक कंपनियां चीन में निवेश करने से कतरा रही हैं। जो कंपनियां चीन में काम कर रही हैं वे भी वहां से निकलने की जुगत में हैं। ऐसे में भारत उन्हें एक अच्छा विकल्प नजर आ रहा है। लेकिन चीन से निकलने वाली तमाम कंपनियों को भारत में बेहतर माहौल मिले, इसके बारे में भी सरकार को सोचना होगा, अन्यथा ये कंपनियां भारत न आकर, कहीं और भी जा सकती हैं। आज देश भर में उठा चीन विरोधी स्वर भारत के लिए एक अवसर है। सरकार को इस मौके को हाथ से नहीं गंवाना चाहिए। जापान और दक्षिण कोरिया जैसी विश्व की बड़ी आर्थिक ताकतें, चीन की नीतियों और कारगुजारियों से तंग आकर भारत, वियतनाम और थाईलैंड जैसे देशों में अपनी यूनिट शिफ्ट करने पर विचार कर रही हैं। अमेरिकी भारत स्ट्रैटेजिक और पार्टनरशिप फोरम के अनुसार लगभग 200 अमेरिकी कंपनियों ने चीन से भारत में अपनी उत्पादन इकाई स्थापित करने पर विचार करना आरंभ कर दिया है।

आत्मनिर्भर भारत योजना के तहत खेती को देश भर में व्यापक रूप से प्रोत्साहन दिया जा सकता है। इसके लिए अनाज का बेहतर संग्रहण करने व उसे अधिक दिनों तक गुणवत्तायुक्त बनाए रखने के लिए अधिक संख्या में कोल्ड स्टोरेज का निर्माण और फसल कटाई के उपरांत के प्रबंधन जैसे उपायों को अमल में लाकर कृषि क्षेत्र को प्रोत्साहित किया जा सकता है। माइक्रोफूड इंटरप्राइजेज क्षेत्र को विधिवत करने और 10 हजार करोड़ रुपये के आवंटन से डेयरी प्रोसेसिंग, हर्बल खेती और मधुमक्खी पालन के क्षेत्रों के विकास में भी सहायता मिलेगी। चीनी उत्पादों पर प्रतिबंध लगने की स्थिति में भारतीय कृषि उत्पादों को वैश्विक बाजार में अपनी पकड़ बनाने का अच्छा अवसर मिल सकता है। कोविड-19 संकट में कई आर्थिक शक्तियां भारतीय खाद्य पदार्थों और कृषि उत्पादों को एक विकल्प के रूप में देख रही हैं। कई विशेषज्ञ मानते हैं कि भारत चीन का विकल्प बन सकता है। इसके लिए भारत को अपनी विनिर्माण क्षमता बढ़ानी होगी। उदारीकरण के चलते भारत ने कई क्षेत्रों में अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कराई है। हमें यह भी समझना होगा कि आत्मनिर्भर होने का मतलब अपने ही दायरे में खुद को समेटना नहीं है, बल्कि वैश्विक सोच के साथ स्थानीय गतिविधियों को संपन्न करना इसका व्यापक अर्थ है। बिना भारतीय हितों से समझौता किए, अंतरराष्ट्रीय सहयोग की भावना रखकर काम करना इसका अर्थ है। शुरूआती दौर में कठिनाइयों और चुनौतियों का सामना भी करना पड़े, लेकिन देश हित के लिए एक दीर्घकालीन लक्ष्य मानकर हमें इस कार्य को हर हाल में अंजाम देना होगा। यह काम अपनेआप में मुश्किल जरूर हो सकता है, नामुमकिन नहीं।

सेना के खिलाफ छिछोरी हरकत

लद्दाख में चीनी सेना के कदम पीछे खींच लेने के बाद भी सरकार को कठघरे में खड़े करने वाले चैन से नहीं बैठे हैं। इन बेचैन लोगों में सबसे प्रमुख राहुल गांधी हैं। उनका बखूबी साथ दे रही है कांग्रेस की ट्रोल सेना। इस ट्रोल सेना में कांग्रेसी नेता और कार्यकर्ता तो हैं ही, अन्य लंपट, लफंगे और उन्मादी किस्म के लोग भी हैं। राहुल और अन्य कांग्रेसी नेताओं का तर्क है कि विपक्ष को सवाल पूछने का हक है। कपिल सिब्बल ने उदाहरण देकर बताया है कि किस तरह दुनिया के तमाम लोकतांत्रिक देशों में विपक्ष ने उस समय भी अपनी सरकारों को सवालों से घेरा जब वे गंभीर संकट से जूझ रही थीं। वह सही कह रहे हैं, लेकिन सवाल पूछने और शरारत करने में अंतर होता है। राहुल इसी अंतर को बड़े जतन से पाट रहे हैं। शायद यही एक काम उनके पास रह भी गया है। इन दिनों वह कांग्रेस की अघोषित ट्रोल सेना के स्वयंभू अध्यक्ष के तौर पर अधिक सक्रिय हैं। उन्होंने गलवन की घटना के बाद प्रधानमंत्री को समर्पण मोदी ही नहीं कहा, यह भी सवाल उछाला कि वह छिपे क्यों हैं-चुप क्यों हैं? उन्होंने मोदी के न तो कोई घुसा है... वाले कथन को गलत साबित करने

के लिए कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को लद्दाख का आम नागरिक बताकर उनके हवाले से यह कहलवाया कि गलवन के हालात को लेकर सरकार जो कह रही है वह सही नहीं। भाजपा ने राहुल गांधी के इन सब आरोपों का जवाब भी दिया और उनकी घेरेबंदी करते हुए उन पर कई आरोप भी जड़े। चीनी सेना के पीछे लौट जाने की खबरों के बावजूद कांग्रेस और भाजपा में आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला कायम है और उसके खत्म होने की कहीं कोई उम्मीद नहीं है। कहना कठिन है कि इस सिलसिले से किसे क्या हासिल होने वाला है, लेकिन यह बिल्कुल भी अच्छा नहीं कि उसकी चपेट में सेना भी आ जा रही है। बीते शुक्रवार को प्रधानमंत्री के लेह दौरे के बाद सोशल मीडिया पर यह साबित किया जाने लगा कि उनकी घायल सैनिकों से मुलाकात दिखावटी थी और वह सेना के अस्पताल में नहीं, किसी कांफ्रेंस कक्ष में गए थे, जहां कथित स्वस्थ सैनिकों को घायल के तौर पर बैठाया गया। तर्क यह दिया गया कि वहां चिकित्सकीय उपकरण नहीं दिख रहे थे। यह सिर्फ और सिर्फ सेना को लांछित करने की बेहूदा शरारत थी। इस शरारत में कांग्रेसी नेता-कार्यकर्ता भी शामिल थे और वे सब भी जिन्हें मोदी सरकार फूटी आंख नहीं सुहाती। जाहिर है इसमें कई मीडियाकर्मी भी थे। कांग्रेस के अधिकृत सोशल मीडिया एकाउंट से इस किस्म के ट्वीट किए गए-नकली अस्पताल, नकली उद्देश्य, नकली 56 इंची। कांग्रेस के सौजन्य से सेना को लांछित करने वाली यह छिछोरेबाजी इसलिए हो रही थी, ताकि सरकार पर निशाना साधा जा सके। सोशल मीडिया के विभिन्न मंचों और खासकर ट्विटर पर ट्रोलिंग यानी छिछोरेबाजी नई बात नहीं। सोशल मीडिया के विभिन्न मंच लंपटों और लफंगों के पसंदीदा ठिकाने बन गए हैं।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समाचार

मुंबई, गुरुवार
9 जुलाई, 2020

रेलवे में कोरोना: सेंट्रल और पश्चिम रेलवे के 872 कर्मचारी और उनके परिवार के सदस्य हुए संक्रमित

संवाददाता

मुंबई। मध्य रेलवे और पश्चिमी रेलवे के 872 कर्मचारी, उनके परिवार के सदस्य और रिटायर्ड कर्मी अब तक कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं और इनमें से 86 की मौत हो चुकी है। फिलहाल सभी को पश्चिमी रेलवे के जगजीवन राम अस्पताल में भर्ती किया गया है। रेलवे की ओर से बताया गया है कि इन कुल संक्रमितों में से 559 मध्य रेलवे और 313 पश्चिमी रेलवे से है। 86 मृतकों में से 22 रेलवे के मौजूदा कर्मचारी (मध्य रेलवे के 14 और पश्चिमी रेलवे के आठ कर्मचारी) थे और और बाकी उनके परिवार के सदस्य और रिटायर्ड कर्मचारी थे।

132 ऐसे लोग भी हैं जो किसी रेलकर्मी के रिश्तेदार हैं। मध्य और पश्चिमी रेलवे अभी कुछ विशेष ट्रेनों, मालगाड़ी और सीमित यात्रियों के साथ 700 ट्रेनों का परिचालन कर रहा है। कुछ रेल यूनियनों का दावा है कि 15 जून के बाद लोकल ट्रेन सेवाओं के परिचालन बहाल होने के बाद से रेल कर्मियों के संक्रमित होने की संख्या बढ़ी है। नेशनल रेलवे मजदूर यूनियन के अध्यक्ष वेणु नायर ने कहा, राज्य सरकार ने कार्यालयों में सिर्फ 15 से 30 फीसदी उपस्थिति की मंजूरी दी है लेकिन रेलवे में करीब 100 फीसदी फील्ड कर्मचारी उपनगरीय ट्रेन सेवा बहाल होने के बाद से काम कर रहे हैं।

रेलवे लगातार बरत रहा है सतर्कता: मध्य रेलवे के प्रमुख जनसंपर्क अधिकारी शिवाजी सुतार का कहना है कि वे रेलवे कर्मियों और यात्रियों में कोविड-19 को फैलने से रोकने के लिए पूरी तरह से सतर्कता बरतते हैं। जोनल रेलवे का कहना है कि कोविड-19 के मामले बढ़ने और सेवाओं के बहाल होने का कोई संबंध नहीं है।

कोरोना से बचाव के लिए शुरू हुआ 'रेल परिवार देखरेख' अभियान: उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी के बाद मध्य रेलवे ने 'रेल परिवार देखरेख' अभियान की शुरूआत की ताकि रेलवे कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। पश्चिमी रेलवे के मुंबई खंड के डीआरएम ने इस संबंध में पूछे गए सवालों के जवाब नहीं दिए।

गणेश उत्सव को सादगी से मनाएं: मुंबई महापौर

मुंबई। कोरोना वायरस संकट के बीच मुंबई की महापौर किशोरी पेडनेकर ने आगामी गणेश उत्सव को सादगी से मनाने की जरूरत बताई। आयोजक मंडलों से अपनी अपील में पेडनेकर ने मंगलवार को कहा कि उत्सव को 'आरोग्य उत्सव' के तौर पर मनाएं। महापौर ने 'आरोग्य उत्सव' की तैयारियों का जायजा लेते हुए यह अपील की। मशहूर लालबागचा राजा सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडल ने 'आरोग्य उत्सव' की घोषणा की है। मंडल ने कोविड-19 की स्थिति को देखते हुए उत्सव को पारंपरिक तरीके से मनाने से इनकार किया है। यह उत्सव 22 अगस्त से शुरू होगा। यह मंडल 10 दिन के उत्सव के दौरान नगर निकाय के साथ मिलकर रक्त दान शिविर और प्लाज्मा दान कार्यक्रम का आयोजन करेगा।

मुख्यमंत्री ने आम्बेडकर के घर पर हुई तोड़फोड़ के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आदेश दिया

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने बुधवार को कहा कि उन्होंने पुलिस को मुंबई में स्थित डॉ बी आर आम्बेडकर के घर 'राजगृह' में तोड़फोड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। ठाकरे ने इस घटना को निंदनीय बताते हुए कहा कि सरकार दादर क्षेत्र में स्थित 'राजगृह' का अपमान बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने कहा, परिसर केवल आम्बेडकर के अनुयायियों के लिए ही नहीं बल्कि पूरे समाज के लिए एक पूज्यनीय स्थान है। इस परिसर में आम्बेडकर की सभी रचनाएं संरक्षित हैं। यह सभी महाराष्ट्रवासियों के लिए एक तीर्थस्थान की

तरह है। मुख्यमंत्री ने कहा, सरकार राजगृह का अपमान सहन नहीं करेगी और मैंने पुलिस को अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को कहा है। आम्बेडकर राजगृह में लगभग दो दशकों तक रहे। यह घर उनके स्मारक 'चैतन्यभूमि' के पास स्थित है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि दो व्यक्तियों ने मंगलवार रात घर में लगे सीसीटीवी कैमरों को पत्थर मार कर क्षतिग्रस्त कर दिया। अधिकारी ने कहा कि आसपास के घरों में लगे सीसीटीवी की फुटेज में एक व्यक्ति राजगृह के गमलों को तोड़ते हुए दिख रहा है। माटुंगा पुलिस थाने में घटना के संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। दादर के हिंदू कॉलोनी में स्थित इस बंगले में आम्बेडकर संग्रहालय है जहां बाबासाहेब की किताबें, तस्वीरें, अस्थियां, बर्तन और अन्य कलाकृतियां रखी हैं।

(पृष्ठ 1 का शेष)

कानपुर शूटआउट में बड़ा खुलासा

दोनों ने मिलकर पुलिस टीम पर हमला किया था और दो पिस्टल के साथ कुछ जिंदा कारतूस छीनकर भाग गए थे। प्रभात ने हमीरपुर में मारे गए अमर दुबे के बारे में भी अहम जानकारियां दीं। यूपी एसटीएफ तीनों को रिमांड पर लखनऊ लाने में जुट गई है। प्रभात ने बताया कि विकास और उसने रिश्तेदार शांति मिश्रा के घर में पनाह ली थी। लेकिन, विकास पुलिस के आने से कुछ घंटे पहले फरार हो गया था। प्रभात ने यह भी बताया कि वह विकास के साथ शूटआउट में शामिल था। वे घायल पुलिस वालों की दो पिस्टल और जिंदा कारतूस छीनकर मौके से फरार हो गए थे। फरार होने के बाद दो दिन तक दोस्त के घर शिवली में रहे थे। प्रभात का यह भी कहना है कि उसी ने अमर दुबे के हमीरपुर में होने की जानकारी पुलिस को दी थी। जिसके बाद बुधवार सुबह उसका हमीरपुर में मोदहा क्षेत्र में पुलिस ने एनकाउंटर कर दिया। प्रभात को अदालत ने यूपी पुलिस की मांग पर ट्रांजिट रिमांड पर यूपी एसटीएफ के हवाले किया है। डीसीपी क्राइम ने बताया कि आरोपी के कब्जे से पुलिसकर्मियों से छिनी हुई 2 पिस्टल 9 एमएम और 2 देसी पिस्टल 9 एमएम सहित 44 जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं।

नहीं रहे शोले के सूरमा भोपाली

सूरमा भोपाली के नाम से मशहूर जगदीप 29 मार्च, 1939 को मध्य प्रदेश के दतिया में एक वकील के घर पैदा हुए थे। जगदीप ने अपने फिल्मी करियर की शुरूआत चाइल्ड आर्टिस्ट 'मास्टर मुन्ना' के रूप में बी आर चोपड़ा की फिल्म 'अफसाना' से की थी। इसके बाद चाइल्ड आर्टिस्ट के रूप में ही उन्होंने 'लैला मजनूं' में काम किया। जगदीप ने कॉमिक रोल बिमल रॉय की फिल्म 'दो बीघा जमीन' से करने शुरू किए थे। उन्होंने करीब 400 से ज्यादा फिल्मों में काम किया। 2012 में वे आखिरी बार 'गली गली चोर' फिल्म में पुलिस कांस्टेबल की भूमिका में नजर आए थे। 1975 में आई शोले में निभाए गए सूरमा भोपाली के किरदार ने उन्हें बॉलीवुड में मशहूर किया था। इस किरदार के नाम पर 1988 में भी फिल्म बनी, उसमें भी मुख्य भूमिका जगदीप ने ही निभाई। इसके अलावा ब्रह्मचारी, नागिन और अंदाज अपना-अपना जैसी फिल्मों में उनकी कॉमेडी को काफी पसंद किया गया। चाहने वालों में जगदीप सूरमा भोपाली के अपने इस किरदार के लिए ही मशहूर थे। जगदीप ने खुद को उस दौर में स्थापित किया, जब जॉनी वॉकर और महमूद की तूती बोलती थी।

टीवी एक्टर सुशील गौड़ा ने किया सुसाइड

सुशांत सिंह राजपूत के बाद सुशील का जाना मनोरंजन जगत के लिए एक और धक्का साबित हुआ है। सुशील ने टीवी शो अंतपुरा में काम किया था और वह आने वाली फिल्म सलगा में एक पुलिसकर्मी की भूमिका निभा रहे थे। सुशील खुद को कन्नड़ सिनेमा में स्थापित करने की कोशिश कर रहे थे और वे एक फिटनेस ट्रेनर के तौर पर भी काम किया करते थे। एक के बाद एक इस तरह मनोरंजन जगत के सितारों का जाना सभी के लिए धक्का सा है। सुशील की मौत पर दुख जताते हुए दुनिया विजय ने फेसबुक पर लिखा, जब मैंने पहली बार उसे देखा था तो मुझे वो हीरो की तरह लगा था। फिल्म रिलीज होने से पहले ही वो हमें छोड़ कर चला गया। सुसाइड करना किसी समस्या का हल नहीं है। मुझे लगता है कि इस साल मौत का सिलसिला नहीं रुकेगा। केवल कोरोना के कारण ऐसा नहीं हो रहा है। लोगों की नौकरियां जा रही हैं। इस मुश्किल घड़ी से निकलने के लिए इस वक्त मजबूत होकर रहने की जरूरत है।

धारावी में कल कोरोना का सिर्फ एक मरीज मिलने से मेयर किशोरी पेडणेकर ने जताई खुशी

संवाददाता

मुंबई। धारावी से कोरोना के मरीजों को लेकर अच्छी खबर लगातार सामने आ रही है। कल धारावी में सिर्फ एक कोरोना का संक्रमित मरीज पाया गया है। इस खबर से मुंबईवासी और प्रशासन ने राहत की सांस ली है। अब इस क्षेत्र में कोरोना पॉजिटिव मरीजों की संख्या 2335 हो गई है। जिनमें से 332 मामले सक्रिय हैं और 1735 लोग इलाज के बाद अपने घर जा चुके हैं। धारावी में अब कोरोना के मरीजों की संख्या धीरे धीरे कम होने लगी है। बीएमसी ने भी अब धारावी में कोरोना मरीजों के लिए आरक्षित बेड को कम करना शुरू कर दिया है।

कैसे कम हुए धारावी में मरीज

बीएमसी ने धारावी में कोरोना के मरीजों को ठीक करने और कोरोना को खत्म करने के लिए काफी मेहनत की है। इसके लिए बीएमसी ने एक मॉडल तैयार किया जिसकी चर्चा आज पूरे मुंबई शहर में है। धारावी मॉडल के तहत बीएमसी ने एनजीओ राज्य सरकार और अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर तकरीबन चार लाख से ज्यादा घरों में सर्वेक्षण किया। इस सर्वेक्षण में कोरोना के कम लक्षण वाले मरीजों को भी शुरूआत में ही क्वारंटाइन कर दिया गया। कोरोना से जंग जीतने के लिए मरीजों ने भी प्रशासन का साथ दिया। क्वारंटीन सेंटर में जो कुछ भी प्रशासन की तरफ से खाने पीने के लिए दिया गया उसे मरीजों ने स्वीकार किया। लोगों की तरफ से प्रशासन को पूरा सहयोग दिया गया और प्रशासन ने भी धारावी के लोगों का पूरा ख्याल रखा।

मेयर ने कहा धारावी मॉडल को पूरी मुंबई में लागू करेंगे

मुंबई की मेयर किशोरी पेडणेकर ने कहा कि धारावी का मॉडल पूरे मुंबई शहर में लागू किया जाएगा। धारावी में बीएमसी ने अलग अलग इलाकों में क्वारंटीन सेंटर बनाया था। जिसमे कुल 3800 बेड थे। बीएमसी इसमें से एक हजार बेड कम करके उन्हें कहीं और इस्तेमाल करने पर विचार कर रही है।

महाराष्ट्र में लगातार बढ़ रहे है कोरोना मामले

महाराष्ट्र में कोरोना के आंकड़ों में बढ़ोतरी जारी है। पिछले 24 घंटे में राज्य में कोरोना के कुल 5134 मरीज सामने आए हैं। अभी तक महाराष्ट्र में कोरोना के कुल 9250 मरीजों की मौत भी हो चुकी है। मुंबई में ही कोरोना के मरीजों की मौत का आंकड़ा अब पांच हजार के पार पहुंच गया है। महाराष्ट्र में कोरोना के कुल मरीजों की संख्या 2,17,121 हो गई है।

मुंबई में मरीजों की संख्या तकरीबन 90 हजार

राजधानी मुंबई में कोरोना के मरीजों की संख्या अब 89,294 तक पहुंच गई है। अभी तक मुंबई में कोरोना के कुल 5002 मरीजों की मौत हो चुकी है। धारावी से एक अच्छी खबर है कि पिछले 24 घंटे में कोरोना का सिर्फ एक केस सामने आया है। अभी तक धारावी में कोरोना के कुल मरीजों की संख्या 2335 तक पहुंच गई है।

कानपुर कांड

अखिलेश का सीएम योगी पर तंज

विकास ही पूछ रहा है 'विकास' को कब गिरफ्तार करोगे

संवाददाता

लखनऊ। कानपुर शूटआउट के बाद से योगी सरकार सवालों के घेरे में है। इस घटना के बाद से लगातार विपक्ष की ओर से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधा जा रहा है। बुधवार को राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने योगी सरकार को फिर घेरा। अखिलेश यादव ने ट्वीट करके कहा कि अब तो विकास खुद ही पूछ रहा है कि 'विकास' को कब गिरफ्तार करोगे...करोगे भी या नहीं? वैसे यूपी की 'नाम बदलू' भाजपा सरकार के पास एक विकल्प और है...किसी और का नाम बदलकर 'विकास' रख ले और फिर...बाकी क्या कहना... जनता खुद समझदार है। इससे पहले अखिलेश ने कहा था कि उत्तर प्रदेश सत्ता व अपराध के गठजोड़ के उस वीभत्स दौर में है, जहां न तो पुलिस को मारने वाले दुर्दांत अपराधी पर कोई कार्रवाई हुई है और न ही उस अधिकारी पर जिसकी संलिप्तता का प्रमाण चतुर्दिक उपलब्ध है। ऐसे में तथाकथित निष्पक्ष जांच भी उनसे करवाई जा रही है, जो खुद कठघरे में खड़े हैं।

प्रियंका ने योगी सरकार पर खड़े किए थे सवाल

कानपुर शूटआउट पर कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने मंगलवार को योगी सरकार की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए थे। प्रियंका ने ट्वीट करके कहा था कि शहीद पुलिस अधिकारी सीओ देवेंद्र मिश्रा का वरिष्ठ अधिकारियों को मार्च में लिखा गया पत्र इस नृशंस वारदात का अलार्म था। उन्होंने कहा कि आज कई खबरें आ रही हैं कि वो पत्र गायब है। ये सारे तथ्य यूपी के गृह विभाग की कार्यशैली पर एक गंभीर प्रश्न उठाते हैं।

2 जुलाई की रात हुई थी 8 पुलिसवालों की हत्या

बता दें कि उत्तर प्रदेश के कानपुर देहात में 2 जुलाई की रात पुलिस टीम पर घात लगाकर हमला हुआ था। हिस्ट्रीशीटर विकास दुबे को पकड़ने गई टीम पर बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। हमले में क्षेत्राधिकारी समेत 8 पुलिसकर्मी शहीद हो गए थे। पुलिसकर्मियों की शहादत के बाद योगी सरकार, विपक्ष के निशाने पर आ गई है।

कुलभूषण जाधव पर पाकिस्तान का नया दावा

इमरान सरकार ने कहा- मौत की सजा पर रिव्यू पिटीशन दायर नहीं करना चाहते जाधव, हमने दूसरे काउंसलर एक्सेस का ऑफर भी दिया

संवाददाता

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की जेल में बंद भारतीय नागरिक कूलभूषण जाधव पर पाकिस्तान ने बुधवार को नया दावा किया है। दावे में कहा गया कि कूलभूषण जाधव ने अपनी फांसी की सजा के खिलाफ रिव्यू पिटीशन दायर करने से इनकार कर दिया है। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक, जाधव ने अपनी पेंडिंग दया याचिका पर टिके रहने का फैसला किया है। खबर के

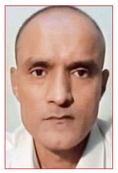

अनुसार, पाकिस्तान के एडिशनल अटॉर्नी जनरल अहमद इरफान ने बुधवार को यहां साउथ एशिया डीजी के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ये दावा किया। एडिशनल अटॉर्नी जनरल ने बताया कि 17 जून 2020 को कूलभूषण जाधव को उनकी फांसी की सजा पर रिव्यू पिटीशन दायर करने के लिए कहा गया था, लेकिन उन्होंने अपने कानूनी अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए ऐसा करने से इनकार कर दिया। उन्हें दूसरा काउंसलर एक्सेस देने का प्रस्ताव भी दिया गया है। कुलभूषण को मार्च 2016 में पाकिस्तान ने गिरफ्तार किया था। 2017 में उन्हें फांसी की सजा दे दी। इस बीच सुनवाई में कुलभूषण को अपना पक्ष रखने के लिए कोई काउंसलर भी नहीं दिया गया। इसके खिलाफ भारत ने 2017 में ही अंतरराष्ट्रीय कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। आईसीजे ने जुलाई 2019 में पाकिस्तान को जाधव को फांसी न देने और सजा पर पुनर्विचार करने का आदेश दिया। तब से अब तक पाकिस्तान ने इस पर कोई फैसला नहीं लिया है।

आईसीआईसीआई बैंक कोरोना के दौर में काम करने वाले कर्मचारियों को देगा इनाम

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र का दिग्गज आईसीआईसीआई बैंक कोरोना संकट के बीच भी ड्यूटी निभा रहे अपने करीब 80 हजार कर्मचारियों को इनाम देने जा रहा है। बैंक इन कर्मचारियों की सैलरी में 8 फीसदी की बढ़त करेगा। इसका लाभ उन्हीं कर्मचारियों को मिलेगा जो ग्राहकों को सेवाएं देने जैसे अग्रिम मोर्चे पर थे। हालांकि कंपनी के करीब 80 फीसदी कर्मचारियों को इसका लाभ मिलेगा। बैंक के कुछ वरिष्ठ सूत्रों के हवाले से बताया है कि वेतन में बढ़त इस वित्त वर्ष 2020-21 के लिए होगी, लेकिन यह जुलाई से लागू होगी। बैंक का यह

निर्णय ऐसे समय में मायने रखता है, जब कोरोना संकट के बीच बड़े पैमाने पर कंपनियां कर्मचारियों की छंटनी कर रही हैं और वेतन में कटौती हो रही है। सूत्रों के अनुसार बैंक के एम1 ग्रेड और उससे नीचे के कर्मचारियों को इसका लाभ मिलेगा। ये ऐसे कर्मचारी हैं जो ग्राहकों को सेवाएं देते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि बैंक के ब्रांच का का और अन्य काम सुचारु तरीके से चल सके। गौरतलब है कि पूरे लॉकडाउन और कोरोना संकट के बीच भी आईसीआईसीआई जैसे बहुत से बैंक हर दिन सीमित कर्मचारियों और सीमित घंटे के लिए ही सही, अपनी सेवाएं लगातार देते रहे। देश में कई चरणों का लॉकडाउन लगाने के बाद से ही अर्थव्यवस्था चरमरा गई थी, ज्यादातर काम-धंधे बंद हो गए थे, लेकिन बैंकों ने अपनी सेवाएं देनी जारी रखी। इसके बाद पिछले महीने अनलॉक-1 लागू होने के बाद ज्यादातर कारोबार शुरू हो चुके हैं, ऐसे में बैंकों का कामकाज भी बढ़ गया है।

फर्जी बाबाओं की खैर नहीं, आश्रमों में आपराधिक गतिविधियों की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट करेगा सुनवाई

नई दिल्ली। बाबाओं के आश्रमों, डेरों, अखाड़ों और मठों में महिलाओं के खिलाफ आपराधिक गतिविधियों और उनके रहन-सहन के स्वच्छ समुचित इंतजाम ना होने से कोरोना संक्रमित होने की बढ़ती घटनाओं पर अब सुप्रीम कोर्ट सुनवाई करेगा। देशभर में फर्जी बाबाओं के 17 आश्रम व अखाड़ों में महिलाओं के खिलाफ आपराधिक गतिविधियों के आरोपों और इन आश्रमों में रह रहीं महिलाओं के बीच कोरोना महामारी फैलने के खतरे को लेकर एक युवती के पिता की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई के लिए तैयार हो गया है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को याचिका की कॉपी सॉलिसिटर जनरल को देने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट में यह याचिका तेलंगाना निवासी पिता ने दाखिल की है। याचिका में कहा गया है कि अब से ठीक पांच साल पहले 2015 में उनकी बेटी विदेश से उच्च शिक्षा (डॉक्टर) हासिल करके आई थी। इसके बाद दिल्ली में एक फर्जी बाबा विरेंद्र दीक्षित के चंगुल में फंस गई। बेटी पिछले 5 सालों से इसी बाबा के दिल्ली के रोहिणी

इलाके में बने आश्रम आध्यात्मिक विद्यालय में रह रही है। ये बाबा बलात्कार के आरोप में तीन साल से फरार चल रहा है। याचिका में ये भी कहा गया है कि अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद ने देशभर में 17 आश्रम व अखाड़े को फर्जी करार दिया है। इनमें से ज्यादातर अवैध रूप से बनाई गई भव्य इमारतों में चल रहे हैं। यहां रहने लायक बुनियादी सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हैं। इनमें लड़कियां और महिलाएं रह रही हैं। उनकी हालत जेल के कैदियों से भी बदतर है। कोरोना संकट काल में इन आश्रम और अखाड़े में कोरोना संक्रमण फैलने का खतरा बना हुआ है। इसलिए यहां रह रही लड़कियों और महिलाओं को इन आश्रम व अखाड़ों से सुरक्षित बाहर निकाला जाए। याचिका में कहा गया है कि दिल्ली के रोहिणी इलाके में बने आश्रम आध्यात्मिक विद्यालय को खाली करवाया जाए। इस आश्रम में रह रही याचिकाकर्ता की बेटी व अन्य 170 महिलाओं को आश्रम से मुक्त करवाया जाए। सुप्रीम कोर्ट 2 हफ्ते बाद इस मामले की सुनवाई करेगा।

जिलाधिकारी ने आमजनों को मास्क लगाने का दिया निर्देश

आदेश का पालन नहीं करने वाले से वसूला जाएगा जुर्माना

संवाददाता

समस्तीपुर। कोरोना महामारी के संक्रमण को देखते हुए राज सरकार के निर्देश पर समस्तीपुर के जिलाधिकारी शशांक शुभंकर ने बुधवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर सख्त निर्देश जारी किया है। जिलाधिकारी ने कहा है कि सार्वजनिक स्थानों अथवा कार्यस्थल के अलावा मॉल, दुकान में अगर कोई व्यक्ति बिना मास्क पहने प्रवेश करे तो उसे तुरंत वहां से वापस कर दें। इतना ही नही सभी दुकानदारों को भी निर्देश दिया जाता है कि वे अपने चेहरे पर जरूर मास्क का प्रयोग करें। अगर कोई दुकानदार बिना मास्क पहने दुकानदारी करते

पाए गए या इस तरह की शिकायत मिली तो उसके साथ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी तथा उनके दुकान को सील भी किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि समुचित रूप से चेहरा नहीं ढ़कने के एवज में जुर्माना का प्रावधान कर दिया गया है अबसे जो भी लोग बिना चेहरा ढ़के मार्केट या कार्यस्थल पर पर देखेंगे जाएंगे तो उन पर बिहार महामारी कोविड 19 नियमावली 2020 के अनुसार भारतीय दंड संहिता की धारा 188 के अधीन दंडनीय अपराध माना जाएगा और उसके उल्लंघन करने पर 50 रुपया जुर्माना भरना पड़ेगा। इसलिए मार्केट या कार्य स्थल जाते समय हमेशा अपने चेहरे पर मास्क का अवश्य प्रयोग करें। डीएम ने कहा कि जिले के सभी अंचल अधिकारी, बीडीओ एवं पुलिस पदाधिकारियो इस आदेश को सख्ती से पालन करें और अपने अपने क्षेत्र के राहगीरो पर निगहबानी करें।

राकेश कुमार ठाकुर ने किया पुल निर्माण करने की मांग

संवाददाता

समस्तीपुर। जिले के सिंघिया प्रखंड के कमला नदी में जमुआ घाट पर पुल का निर्माण कराने की मांग जिला राजद प्रवक्ता राकेश कुमार ठाकुर ने बिहार सरकार से की है। जिला राजद प्रवक्ता ने कहा है कि सिंघिया प्रखंड की वारी पंचायत अंतर्गत जमुआ घाट के कमला नदी पर पुल का निर्माण नहीं होने के कारण सिंघिया प्रखंड व दरभंगा जिला बिरौल प्रखंड के एक दर्जन से अधिक गांव में रह रहे हजारों लोगों को नदी पार करने में काफी कठनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कमला नदी के जमुआ घाट पर पुल निर्माण नहीं होने से कई गांवों का विकास अवरुद्ध है। नदी के दूसरी ओर रहने वाले ग्रामीणों को शहर जाने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ती है। स्थिति इतनी विकट है कि ग्रामीण किसी तरह अपना जीवनयापन कर रहे हैं। लगभग 30 वर्ष से स्थानीय लोग पुल निर्माण की मांग कर रहे हैं। निर्माण की मांग करते करते युवा तो बुजुर्ग हो गए लेकिन पुल का निर्माण नहीं हो सका। उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र के विकास में सड़क व पुल पुलिया का विशेष महत्व होता है। इसके बिना लोगों के जीवन स्तर को बेहतर करना लगभग असंभव है। बिना पुल बने इस क्षेत्र के गांवों का विकास नहीं हो सकता है। प्रवक्ता ने कहा कि सबसे अधिक परेशानी बरसात के दिनों में होती है। जब लोगों को अपने दैनिक कार्य, बच्चों को स्कूल, बीमार मरीजों को उपचार के लिए जान जोखिम में डालकर नाव से नदी पार करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि जमुआ घाट पर सड़क सह पुल का निर्माण की स्वीकृति जल्द दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पुल निर्माण से समस्तीपुर जिले के जमुआ, सुपरा, मोहद्दीपुर, वलाट, थरघट्टा, पिपरा आदि गावों तथा दरभंगा जिले के बलहा, भैनी, नौडेगा आदि गावों के लाखों की आबादी को लाभ मिलेगा। राजद प्रवक्ता ने जमुआ घाट पर अविलम्ब पुल निर्माण कराने की मांग बिहार सरकार से की तथा कहा कि जमुआ घाट पर पुल निर्माण की मांग को लेकर आंदोलन छेड़ा जाएगा।

रामपुर हलचल

नगर का मुख्य मार्ग जो काफी जीर्ण शीर्ण अवस्था में था जिसका निर्माण कार्य सपा शासन काल में कराया गया

संवाददाता

टाण्डा (रामपुर)। नगर का मुख्य मार्ग जो काफी जीर्ण शीर्ण अवस्था में था जिसका निर्माण कार्य सपा शासन काल में कराया गया, जीर्ण शीर्ण अवस्था के चलते ही मार्ग पर वाहनों आदि के टकरा जाने के कारण काफी म्रत्यू भी हो चुकी है, वरसात के चलते मार्ग में जगह जगह गहरे गडढ़ों का होना क्रम जारी हो गया है, रात्री आदि के समय में गडढ़ों के चलते गम्भीर घटना होने का भय बना हुआ है, रात्री के समय में खनन से भरे डम्पर चलाये जाते है, मार्ग की कमजोर स्थिति के चलते अपने हाल पर मार्ग आंसू बहा रहा है। नगर का मुख्य मार्ग जो एक प्रदेश से दूसरा प्रदेश उत्तराखण्ड व दिल्ली आदि को जोड़ता है सपा शासन काल के चलते मार्ग की स्थिति जीर्ण शीर्ण अवस्था में थी रोड की स्थिति खराब होने के कारण अक्सर गम्भीर दुर्घटनाएँ होने का क्रम लगातार जारी था जिसके चलते काफी लोग मोत का भी शिकार

हो गये थे राजनीति के चलते सपा शासन काल के अंतिम क्षणों में मार्ग के कार्य कराये जाने की सुध ली गई जैसे जैसे विधान सभा चुनाव का समय करीब आता गया नगर व क्षेत्रीय जनता के प्रदर्शनों के बाद पूर्व मंत्री मो० आजम खां द्वारा रोड के निर्माण कार्य को अन्जाम दिया गया सियासत के दाँव पेंच को देखते हुए पूर्व मंत्री मो० आजम खां साहब ने बेटा अब्दुल्लाह आजम को 34 स्वार विधान सभा से चुनाव लड़ाये जाने का मन बनाया चुनावी मैदान में कूदे जाने के बाद 34 स्वार विधान सभा क्षेत्रीय जनता ने उनको विजय हासिल करवाई अब्दुल्ला आजम को विधान सभा तक पहुंचा दिया भाजपा शासन काल सरकार के चलते उनके माता पिता सहित मुसीबतों के पहाड़ टूटना शुरू हो गये बेटा अब्दुल्ला आजम को जन्म तिथि की हैरा फैरी के चलते कोर्ट के फैसले के अनुसार विधायक पद से निष्कासित कर दिया ग्यानगर व क्षेत्रीय लोगों के छोटे मोटे कार्यों को लेकर अनेकों प्रकार की समस्याओं के चलते जूझना पड़ रहा है। मुख्य मार्ग जगह जगह से गड्ढों में तब्दील होना शुरू हो गया जिसकी विभागीय स्तर पर कोई देखभाल नहीं हो पा रहीं है कभी भी गम्भीर ऐक्सीडेंट से सम्बंधित घटनायें होने का भय बना हुआ है विभाग मुख्य मार्ग रोड के प्रति जरा भी गम्भीर नहीं है रोड के दोनों साइडों में भी घास व गहरे गडढे होना शुरू हो गये हैं जो कभी भी घटना का सबब बन सकते हैं स्थिति फिल्हाल ज्यों की त्यों बनी हुई है।

समस्तीपुर हलचल

भाकपा माले ने सीओ का किया पुतला दहन

समस्तीपुर। जिले के उजियारपुर में भाकपा माले नेता गंगा प्रसाद पासवान के नेतृत्व में आज महेन्द्र चौक महेशपट्टी में अंचलाधिकारी उजियारपुर का पुतला दहन कर प्रतिरोध सभा किया। आन्दोलनकारियों की प्रमुख मांगों में प्रखंड के दर्जनों क्वाराइनटिन सेन्टर में रह रहे सैकड़ों प्रवासी मजदूरों को भत्ता की राशि देने, सभी प्रवासी मजदूरों को रोजगार देने, सभी प्रवासी मजदूरों को दस,दस हजार लॉकडाउन भत्ता देने की मांग कर रहे थे। वक्ताओं ने कहा सभी प्रवासी मजदूर भुखमरी के कगार पर है। सभी मजदूरों को राज्य में ही रोजगार देने की मुख्यमंत्री की घोषणा डपोरशंखी साबित हो रही है। रोजगार की तलाश में मजदूर पुनः दूसरे राज्यों में पलायन करना आरम्भ कर दिया है। सभा को मो0 फरमान, अर्जून दास, मो0 दिलशाद, मो0 ऐजान, ऋषि पोद्दार, मो0 वसीम, मो0 गुलाब, मो0 एखलाक वगैरह ने सम्बोधित किया।

कार्यपालक सहायको ने शुरू किया अन्दोलन

समस्तीपुर। बिहार राज्य कार्यपालक सहायक, जिला ईकाई समस्तीपुर अपनी स्थायीकरण की मांग को लेकर अन्दोलन शुरू किया। बुधवार को समाहरणालय समस्तीपुर में कार्यरत सभी कार्यपालक सहायक सहित पुरे जिला के विभिन्न विभागों में कार्यरत कार्यपालक सहायको ने काला बिल्ला लगाकर कार्य किया। मांग पूरा नहीं होने की स्थिति में चरणबद्ध अन्दोलन करने का निर्णय लिया गया है। संघ के जिलाध्यक्ष ने बताया कि जिले के सभी विभागों में कार्यरत कार्यपालक सहायक अपनी स्थायीकरण की मांग को लेकर काला बिल्ला लगाकर कार्य कर आंदोलन की शरूआत की। इस दौरान सभी विभागों में कार्यरत कार्यपालक सहायक ने अपने विभागों में काला बिल्ला लगाकर कार्य किया। कार्यपालक सहायक 10 जुलाई तक काला बिल्ला लगाकर सांकेतिक विरोध करते हुए कार्य करेंगे। उसके बाद 11 जुलाई से 15 जुलाई तक पूर्व में घोषित वादों को पूरा करने के लिए सोशल मीडिया और विभिन्न जगहों पर बैनर पोस्टर लगाकर कार्य करेंगे। 16 जुलाई को अपनी मांग को लेकर कैंडिल मार्च और 17 जुलाई को कार्यपालक सहायक अपनी मांगों को लेकर भिक्षाटन कार्यक्रम करेंगे। अगर 17 को सांकेतिक विरोध में सरकार उनकी मांग नहीं मानती है तो ये लोग विभाग का कार्य बहिष्कार करते हुए धरना प्रदर्शन करेंगे। आज के कार्यक्रम में सदर एसडीओ,वारिसनगर, विभूतिपुर, शाहपुर पटोरी, खानपुर, रोसड़ा आदि ब्लॉक के कार्यपालक सहायक कर्मी ने भाग लिया। मौके पर रोहित कुमार गुप्ता,सुनील कुमार, राजीव कुमार, रोहित कुमार, लालो कुमार, मेधा बिहारी, सुमित कुमार गुंजा कुमारी चांदनी कुमारी, जुली कुमारी, गौतम कुमार,रोशन कुमार,शिव कुमार ठाकुर, हिन्द केशरी,सुधांशु, कुंदन कुमार समेत सभी विभागों के कार्यपालक सहायक एवं अन्य कर्मी मौजूद थे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

डाइट में लें नेगेटिव कैलोरी वाले फूड्स और तेजी से घटाए वजन

नेगेटिव कैलोरी फूड्स : वजन कम करने के लिए अक्सर लोग लो कैलोरी फूड ही खाना पसंद करते हैं। इसके अलावा सेहत को लेकर सचेत रहने वाले लोगों की डाइट में भी ज्यादा लो कैलोरी फूड्स ही शामिल होते हैं। मगर क्या आप जानते हैं लो कैलोरी फूड की बजाए नेगेटिव कैलोरी फूड मोटापा कंट्रोल में ज्यादा मददगार होते हैं। जी हां, नेगेटिव कैलोरी फूड न सिर्फ आपका वजन कंट्रोल करता है बल्कि उसे जरूरत के हिसाब से कम भी करता है। अगर आप भी हैल्थ कॉन्शियस है तो आपको इसके बारे में पता होना जरूरी है।

क्या होती है नेगेटिव कैलोरी?

नेगेटिव कैलोरी फूड ऐसे खाद्य पदार्थ होते हैं, जिसे पचाने के लिए भी कैलरीज की जरूरत होती है। 100 ग्राम नेगेटिव कैलोरी फूड को पचाने के लिए आपके शरीर में से 200 कौलोरी बर्न होगी। दरअसल, ऐसे खाद्य पदार्थों में कोई पोषक तत्व नहीं होता सिर्फ कैलोरी होती है। यह आपके शरीर में जमा होकर वसा या फैट का निर्माण करने लगता है और इन फूड्स को पचाने के लिए शरीर कौलोरी बर्न करना शुरू करता है। इससे आपका वजन बढ़ने की बजाए कम होने लगता है।

नेगेटिव कैलोरी फूड्स

नेगेटिव कैलोरी ज्यादातर पौधों से प्राप्त होने वाली चीजों में पाई जाती है। जामुन, नींबू के फल, गाजर, टमाटर, खीरे, तरबूज, उबचिनी, सलाद आदि नेगेटिव कैलोरी फूड्स होते हैं। इसके अलावा फूलगोभी, ककड़ी, सेब और तोरई में भी नेगेटिव कैलरी पाई जाती है। इन चीजों से आपको न सिर्फ हैल्दी कौलोरी मिलती है बल्कि इससे आपके शरीर को विटामिन्स, मिनरल्स और फाइबर भी भरपूर मात्रा में मिलते हैं। इतना ही नहीं, इनका सेवन मेटाबॉलिज्म को भी तेजी से बढ़ाता है, जिससे आपका वजन तेजी से कम होता है और कंट्रोल में भी रहता है।

जंक और मीठे में होती है ज्यादा कैलोरी

दिनभर में खाएं जाने वाले खाद्य पदार्थ में थोडी-बहुत कैलोरी की मात्रा तो होती है लेकिन जंक और मीठे में सबसे ज्यादा कैलोरी होती है। इनमें पोषक तत्व नहीं होते इसलिए यह शरीर में फैट को जमा करके वजन बढ़ाने लगते हैं। जिन खाद्य पदार्थों में फाइबर और पानी की मात्रा ज्यादा होती है, उनमे कैलोरी की मात्रा कम पाई जाती है।

बिना एक्सरसाइज 1 महीने में घटाएं जांघों और कूल्हों में जमी जिद्दी फैट !

मोटापा एक गंभीर समस्या है। आज हर तीसरा व्यक्ति मोटापे से परेशान है। वजन बढ़ने का सबसे ज्यादा असर पेट, जांघ और कूल्हों पर देखने को मिलती है। ज्यादातर इस परेशानी का सामना महिलाओं को ही करना पड़ता है। जांघ और कूल्हों के फैट के कारण कई बार दूसरों से सामने शर्मिंदा भी होना पड़ता है। अपनी शर्मिंदगी को कम करने और परफैक्ट फिगर पाने के लिए लड़कियां डाइटिंग और कसरत करने लगती है। जरूरत से ज्यादा कसरत करने पर शरीर में कमजोरी होने लगती है। ऐसे में आप बिना एक्सरसाइज के 1 महीने में जांघों और कूल्हों के फैट को कम कर सकते हैं।

1. नारियल का तेल
जांघों और कूल्हों का फैट कम करने के लिए नारियल तेल से मसाज करें। इसमें पाए जाने वाले गुण फैटी एसिड को ऊर्जा में बदल देते हैं। रोजाना जांघों और कूल्हों के आस-पास नारियल तेल से मालिश करने पर चर्बी आसानी से कम होने लगेगी।

2. एप्पल साइडर विनेगर
एप्पल विनेगर भी शरीर की चर्बी को कम करता है। ऑलिव ऑयल और नारियल तेल में एप्पल साइडर विनेगर डालकर एक मिश्रण तैयार करें। फिर रोजाना इस मिश्रण से जांघों और कूल्हों पर मसाज करें। दिन में दो बार इस तेल को लगाने से आपको फर्क दिखाई देने लगेगा।

3. कॉफी ग्राउंड
कॉफी में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट, कैफीन त्वचा को सेल्युलाइट और सेगिंग होने से रोकती है। इसको जांघों और कूल्हों पर स्क्रब करने से कुछ ही दिनों में आपको परफैक्ट फिगर मिलेगी। आप चाहे तो कॉफी में शहद मिलाकर भी लगा सकते हैं।

4. कलौंजी का पानी
वजन करने के लिए कलौंजी का पानी किसी औषधि से कम नहीं है। इसमें पाए जाने वाले गुण फाइवर फैट को कम करते हैं। कलौंजी को अच्छे से उबाल लें। फिर ठंडा होने पर इसका सेवन करें।

5. पुदीने की चाय
जांघों और कूल्हें के फैट कम करने के लिए पुदीने की चाय का सेवन करें। रोजाना पुदीने की चाय पीने से 1 महीने में आपकी जांघों और कुल्हें की चर्बी गायब हो जाएगी।

क्या मच्छरों के काटने से भी हो सकता है एचआईवी?

मानसून के मौसम में पनपने वाले मच्छर मलेरिया, चिकनगुनिया और डेंगू जैसी खतरनाक बीमारियां फैलाते हैं। बहुत से लोग मच्छरों से होने वाली बीमारियों को लेकर कन्फ्यूज रहते हैं। उन्हें लगता है कि मच्छरों के काटने से भी एचआईवी की बीमारी हो सकती है, जोकि गलत है। आज World Mosquito Day के मौके पर हम आपको कुछऐसे सवालों का जबाव बताएंगे, जो शायद ही आपको पता हो।

क्या मच्छरों से फैलता है HIV?

अक्सर लोगों के मन में सवाल ये उठता है कि जब इफैक्टेड इंजेक्शन के जरिए एचआईवी फैल सकता है तो मच्छरों के जरिए क्यों नहीं। एक्सपर्ट के मुताबिक, ऐसा इसलिए होता है क्योंकि मच्छर के भीतर हर तरह के वायरस सरवाइव नहीं कर पाते और एड्स का वायरस मच्छरों के पेट में जिंदा नहीं रह पाता। मच्छर के पेट में खून के साथ ही एचआईवी वायरस भी डाइजेस्ट हो जाते हैं और वह पूरी तरह खत्म हो जाते हैं। अगर मच्छर किसी एचआईवी इन्फेक्टेड व्यक्ति से स्वस्थ व्यक्ति को भी काटता है तो भी यह नहीं फैलता।

मच्छरों के काटने से खुजली क्यों होती है?

मच्छरों के काटने से शरीर में खुजली शुरू हो जाती है क्योंकि मादा मच्छर जब खून पीने के लिए अपना डंक आपके शरीर में चुभाती है तो त्वचा की ऊपरी पर्त पर छेद हो जाता है। आपके शरीर में कहीं भी छेद हो तो तुरंत खून का थक्का जम जाता है। थक्का जम ने पर मच्छर खून नहीं पी पाते इसलिए मच्छर अपने डंक से एक ऐसा रसायन छोड़ते है, जिससे खून का थक्का नहीं बनता। मगर इसके रिएक्शन से त्वचा पर खुजली होने लग जाती है और वह जगह सूज भी जाती है।

किस ब्लड ग्रुप को ज्यादा काटते है मच्छर

शोधकर्ता मानते हैं कि मच्छरों में इतनी क्षमता नहीं होती कि वे हर तरह के ब्लड ग्रुप को पचा सकें। ऐसे में वह उन्हीं लोगों को ज्यादा काटते हैं, जिनके खून में शर्करा की मात्रा अधिक होती है। यही वजह है कि मच्छर ड ब्लड ग्रुप के लोगों को ज्यादा काटते हैं क्योंकि उनके खून में शर्करा की मात्रा ज्यादा होती है।

पसीने की गंद भी करती है आकर्षित

शोध में सामने आया है कि मच्छर पसीने की गंध से आकर्षित होते हैं। जिन लोगों को पसीना ज्यादा आता है मच्छर उन्हें ज्यादा काटते हैं। पसीने में लैक्टिक एसिड, यूरिक एसिड तथा अमोनिया जैसे तत्व होते हैं और जो मच्छरों को ज्यादा आकर्षित करते हैं।

क्या मच्छर शाम को ही काटते हैं?

मच्छर सुबह शाम ज्यादा एक्टिव होते हैं लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वह दिन में नहीं काटेंगे। कुछ मच्छर ऐसे भी होते हैं, जोकि दिन के समय काट लेते हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

'दिल बेचारा' का ट्रेलर देख कृति सेनन हुई इमोशनल

सुशांत सिंह राजपूत की आखिरी फिल्म 'दिल बेचारा' के ट्रेलर को दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है। उनके फैन्स इसे काफी पसंद कर रहे हैं साथ ही सुशांत के इंडस्ट्री के दोस्त भी फिल्म को लेकर इमोशनल हैं। सुशांत की 'राब्ता' को-स्टार कृति सैनन ने उनकी फिल्म 'दिल बचारा' के ट्रेलर के साथ मेसेज पोस्ट किया है। सुशांत की आखिरी फिल्म 'दिल बेचारा' का ट्रेलर इंटरनेट पर छाया हुआ है। ऐक्ट्रेस कृति सैनन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर ट्रेलर के साथ इमोशनल करने वाला मेसेज पोस्ट किया है। कृति ने लिखा है, इसे देखना काफी मुश्किल होगा... लेकिन मैं न देखूं ऐसा कैसे हो सकता है। सुशांत के गुजरने के बाद कृति सैनन सोशल मीडिया पर उनके लिए काफी इमोशनल पोस्ट लिख चुकी हैं। उन्होंने सुशांत के साथ अपनी तस्वीरें भी शेयर की थीं। इसके बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर चल रही खबरों और ट्रोलिंग को लेकर भी लंबा पोस्ट लिखा था।

हॉलिवुड के रीमेक में साथ नजर आएंगे रणवीर सिंह और कटरीना कैफ?

बॉलिवुड डायरेक्टर जोया अख्तर की पिछली फिल्म 'गली बॉय' को काफी पसंद किया गया था। इस फिल्म में रणवीर सिंह और आलिया भट्ट मुख्य भूमिका में थे। खबरों की मानें तो जोया अख्तर एक बार फिर रणवीर सिंह के साथ फिल्म बनाने जा रही हैं और इस बार उनके साथ कटरीना कैफ नजर आ सकती हैं। अगर ऐसा होता है तो यह जोड़ी पहली बार रोमांस करती नजर आएगी। खबर के मुताबिक, जोया अख्तर एक बड़ी फिल्म बनाने जा रही हैं जो एक फेमस हॉलिवुड फिल्म का हिंदी अडैप्टेशन होगी। उन्होंने इसके लिए रणवीर और कटरीना का नाम भी फिक्स कर लिया है। रिपोर्ट की मानें तो एक सूत्र ने बताया है कि जोया ने हॉलिवुड की फेमस फिल्म 'द डिपार्टेड' के राइट्स ले लिये हैं। साल 2006 में आई यह फिल्म ऑस्कर अवॉर्ड जीत चुकी है। हालांकि भारतीय फिल्म के हिसाब से जोया इसके प्लॉट में बदलाव करेंगी। खबर की मानें तो रणवीर सिंह फिल्म में वही रोल करेंगे जो ऑस्कर विनिंग ऐक्टर लियानार्डो डि कैप्रियो ने निभाया था। सुनने में आ रहा है कि रणवीर ने पहले ही इस रोल के लिए हां बोल दी है। फिल्म में कटरीना का भी ऐक्शन और अडवेंचर से भरपूर रोल होगा। हालांकि इस बारे में जोया की तरफ से अभी तक कोई रिस्पॉन्स नहीं मिला है। अब देखना दिलचस्प होगा कि रणवीर और कटरीना की जोड़ी साथ में पर्दे पर आती है या नहीं क्योंकि दोनों कई बार साथ काम करने की इच्छा जता चुके हैं।

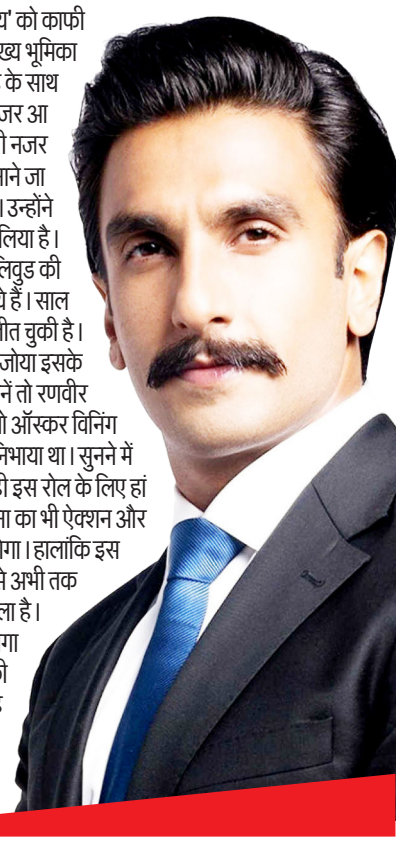

ऐश्वर्या राय के साथ ऑनस्क्रीन रोमांस करना चाहते हैं अभिषेक

बॉलीवुड एक्टर अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय शादी से पहले ही इंडस्ट्री में जाने-माने नाम थे। ऐश्वर्या राय ने पहले ही कई हिट फिल्में दी थीं, तो अभिषेक बच्चन की भी फिल्में रिलीज हो रही थीं। अभिषेक और ऐश्वर्या, दोनों सबसे पहले 'ढाई अक्षर प्रेम के' फिल्म में दिखाई दिए और दोनों अच्छे दोस्त बन गए। इसके बाद दोनों रिलेशनशिप में आए और शादी के बंधन में बंध गए। अप्रैल, 2007 में अभिषेक बच्चन के मुंबई के जुहू स्थित घर में शादी समारोह हुआ। ऐश्वर्या राय कई मौकों पर अभिषेक को 'बेस्ट हस्बैंड' का खिताब दे चुकी हैं। ऑफस्क्रीन कैमेस्ट्री के अलावा, अभिषेक और ऐश्वर्या राय बच्चन ने कई मौकों पर दोनों की ऑनस्क्रीन कैमेस्ट्री पर भी बात की है। एक्टर अभिषेक बच्चन ने बताया कि हम दोनों के बीच में जो अच्छी बात है, वह यह है कि दोनों ही प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ को अलग रखते हैं। हमने कभी भी सिर्फ साथ में दिखने के लिए फिल्में साइन नहीं की। अभिषेक ने बॉलीवुड लाइफ वेबसाइट को आगे बताया, कुछ ऐसा हो कि जो रचनात्मक तरीके से हर कलाकार की जरूरतों को पूरा कर सके। कुछ अच्छा और बेहतर होना चाहिए। प्रोजेक्ट के सब्जेक्ट पर निर्भर करेगा।